कक्षा – 7
पाठ – 16
भोर और बरखा

प्र.1 निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

1 'बंस ीवारे ललना' 'मोरे प्यारे' 'लाल जी' कहते हुए यशोदा किसे जगाने का प्रयास करती हैं और वे कौन–कौन सी बातें कहती हैं ?

उ0. 'बंसीवारे ललना' 'मोरे प्यारे' 'लाल जी' कहते हुए यशोदा भगवान श्री कृष्ण को जगाने का प्रयास कर रही है। और वे कहती है कि मेरे प्यारे कृष्ण रात बीत चुकी है। सभी घर के दरवाजे खुल गए हैं। गोपियाँ दही मथने लगे हैं। ग्वाल–बाल सब उठकर जय–जय शब्द का उच्चारण करने लगे हैं तथा देवतागण भी दरवाजे पर खड़े हैं। अतः तुम जाग जाओ।

2 नीचे दी गई पंक्ति का आशय अपने शब्दों में लिखिए–
माखन–रोटी हाथ मँह लीनी,
गउवन के रखवारे'

उ0. प्रस्तुत पंक्ति में मीरा श्री कृष्ण को गायों के रखवाले के रूप में संबोधित करते हुए कहती है कि सभी लोग उनके प्रार्थना में खड़े हैं और उनके लिए माखन, रोटी व मट्ठे की सौगात लेकर आए हैं।

3 पढ़े हुए पद के आधार पर ब्रज की भोर का वर्णन कीजिए।

उ0. पढ़े हुए पद के आधार पर ब्रज की भोर का वर्णन इस प्रकार है –
सुबह होने के कारण सभी घर के दरवाजे खुल गए हैं। गोपियाँ दही मथने लगी हैं। जिससे उनके हाथों की चूड़ियाँ आपस में झनकार पैदा कर रही है। सभी जय–जय शब्द का उच्चारण करते हुए पूरे वातावरण को गुंजित कर रहे हैं।

4 मीरा को सावन मनभावन क्यों लगने लगा ?

उ0. मीरा को सावन मनभावन इसलिए लगने लगा क्योंकि उन्हें खबर मिली थी कि उनके प्रभु श्री कृष्ण आने वाले हैं।

5 पाठ के आधार पर सावन की विशेषताएँ लिखिए–

उ0. पाठ के आधार पर सावन की विशेषताएँ –
सावन बरसात का महीना होता है। इस महीनें में आकश काले बादलों से ढक जाता है। बादल गरजते हैं, बिजली कड़कती रहती है। कभी अधिक वर्षा तो कभी छोटी–छोटी बूँदे धरती पर गिरती रहती है। शीतल हवा चलती है। वातावरण सुहावना रहता है।

Edit with WPS Office